an>

Title: Regarding damage of crops by wild animals in Gujarat.

श्री पी.पी.चौहान (पंचमहल): महोदय, मैं आपको धन्यवाद देता हूँ कि आपने मुझे शून्य काल के अन्तर्गत एक महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का मौका दिया।

महोदय, हमारे संसदीय क्षेत्र पंचमहल जिले में किसानों के लिए जंगली सुअर सबसे बड़ी समस्या बने हुए हैं। महंगे बीजारोपण के कारण किसान साहूकारों अथवा निजी बैंकों से कर्ज लेकर बीज की बुआई करते हैं। वे दिन भर खेत में पसीना बहाकर काम करते हैं। आश्चर्य की बात यह है कि जब वे अपनी फसल की रक्षा के लिए रात में फसल की निगरानी करते हैं तो ये जंगली सुअर मानव पर हमला करके उसे मार देते हैं, उसे काट देते हैं। जंगली सूअर हमला भी बोल देते हैं। किसान महंगी खाद और कीटनाशक दवाइयाँ डालकर फसल को तैयार करता है और अंत में जब इन जानवरों द्वारा बीज को नष्ट कर दिया जाता है तो किसान बड़े कर्ज़ में डूब जाता है। नीलगाय और जंगली सूअर, जिसको भुंड भी कहते हैं, ये जानवर सौ-सौ का एक झुंड बनाकर पाँच-पाँच एकड़ ज़मीन पर अटैक करते हैं और एक रात में सारी फसल खलास कर देते हैं।

महोदय, एक ओर किसान की फसल बरबाद हो जाती है और दूसरी ओर वे कर्ज़ में डूबे रहते हैं। वे अपने जीवन में अत्यधिक कठिनाइयों से जूझते हुए अंत में मजबूर होकर आत्महत्या कर लेते हैं। उक्त समस्या के निपटारे के लिए मैं इस सदन के माध्यम से पुरज़ोर मांग करता हूँ कि इस पूकार की समस्या के समाधान के लिए केन्द्र सरकार एक नीति का निर्धारण करे, जिसके अंतर्गत उक्त समस्या के लिए आर्थिक मदद का प्रावधान हो। यह समस्या सिर्फ गुजरात ही नहीं, पूरे देश की है और हर राज्य में किसी न किसी जानवर के द्वारा फसलों की बरबादी होती है।

मैं मांग करता हूँ कि हमारे संसदीय क्षेत्र में जंगली सूअरों द्वारा किसानों को हो रही समस्या को स्थायी रूप से समाप्त करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएँ।

माननीय सभापति : श्री काराडी सनगन्ना अमरप्पा, आपका इश्यू तो स्टेट गवर्नमैंट का है। आप कहिये।